भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1387
28 जुलाई, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

गैर-संचारी रोगों के मामलों में तीव वृद्धि

1387. श्रीमती मंजुलता मंडल:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
श्री जी. सेल्वम:
श्री सी.एन. अन्नादुरई:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में गैर-संचारी रोगों, विशेष रूप से हृदय रोगों, मधुमेह और मोटापे के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है/किए जाने का विचार है;
(ग) सरकार द्वारा देश में गैर-संचारी रोगों के बारे में जागरूकता पैदा करने और इन रोगों के कारण होने वाली मृत्यु दर में कमी लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;
(घ) क्या सरकार गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है;
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) उक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने में कितनी प्रगति हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) से (ग): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की अध्ययन रिपोर्ट "इंडिया: हेल्थ ऑफ द नेशन्स स्टेट्स" के अनुसार, भारत में वर्ष 1990 से 2016 तक कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग (सीवीडी) और

आघात जैसे गैर-संचारी रोग (एनसीडी) भार में वृद्धि हुई है। कुल मौतों और कुल दिव्यांगता-समायोजित जीवन वर्षों (डीएएलवाई) में मुख्य एनसीडी का भाग नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:

रोग समूह का नाम	कुल मौतों में अंशदान		कुल डीएएलवाई में अंशदान	
	1990	2016	1990	2016
सभी एनसीडी	37.9%	61.8%	30.5%	55.4%
सीवीडी	6.9%	14.1%	15.2%	28.1%
आघात	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	2.0%	3.5%
कैंसर	4.15%	8.3%	2.5%	5.0%
मधुमेह	10.0%*	23.1%*	5.5%**	7.7%**

*क्रूड मृत्यु दर (%) **क्रूड व्याप्तता (%)

[संपूर्ण रिपोर्ट
https://www.healthdata.org/sites/default/files/files/policy_report/2017/India_Health_of_the_Nation%27s_States_Report_2017.pdf
वेबसाइट पर उपलब्ध है]।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार, राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर और संसाधन क्षमता के अध्यधीन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम अवसंरचना सुदृढ़ीकरण, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्द्धन और रोकथाम, शीघ्र निदान के लिए जागरूकता सृजन, प्रबंधन और गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के उपचार के लिए उचित स्तर के स्वास्थ्य सुविधाकेंद्र को रेफर करने पर केंद्रित है। एनपी-एनसीडी के तहत, 724 जिला एनसीडी क्लीनिक, 210 जिला कार्डियक केयर सेंटर यूनिट, 326 जिला डे केयर सेंटर और 6110 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

एनएचएम के तहत और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में देश में सामान्य गैर-संचारी रोगों अर्थात मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सामान्य कैंसर की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को उच्च रक्तचाप, मधुमेह और तीन सामान्य कैंसर अर्थात मुख, स्तन और सर्वाइकल हेतु उनकी स्क्रीनिंग के लिए लक्षित किया जाता है। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आरोग्य केंद्र स्कीम के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी कार्यकलापों और लक्षित संचार को बढ़ावा देकर व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के अंतर्गत एनसीडी के निवारक पहलू को सुदृढ़ किया जाता है।

इसके अलावा, एनसीडी के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अन्य पहलों में स्वास्थ्य दिवस का मनाना और निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण

(एफएसएसएआई) के माध्यम से स्वस्थ भोजन को भी बढ़ावा दिया जाता है। फिट इंडिया मूवमेंट को युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित किया जाता है, और आयुष मंत्रालय द्वारा विभिन्न योग संबंधी गतिविधियाँ की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, एनपी-एनसीडी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अपनी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार एनसीडी के बारे में जागरूकता सृजन (आईईसी) हेतु कार्यकलापों के लिए एनएचएम के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

(घ) से (च): आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आरोग्य केंद्र पोर्टल (वित्त वर्ष 2022-23) के अनुसार, एनपी-एनसीडी के संबंध में उपलब्धियां नीचे दी गई हैं:

क्र.सं.	सूचक का नाम	उपलब्धि
1	संचालनरत स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र	1,59,212
2	उच्च रक्तचाप स्क्रीनिंग	35.46 करोड़.
3	मधुमेह स्क्रीनिंग	30.75 करोड़.
4	मुँह के कैंसर की जांच	20.97 करोड़.
5	स्तन कैंसर की जांच	9.83 करोड़.
6	सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग	6.72 करोड़.

*****